अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2019) **दिनांक :** 20.12.2019

समय : 3 घंटा **द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

तेरापंथ इतिहास और दर्शन–70

प्र. 1 किन्हीं तेरह प्रश्नों का उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 13

(क) गण में भेद डालने वाले के लिए भगवान ने किस प्रायश्चित्त का विधान किया है?

(ख) सत्ता का हस्तांतरण इतनी सहजता से कैसे संभव बना? आचार्य तुलसी से यह प्रश्न कहाँ व किसने पुछा?

(ग) आचार्य भिक्षु के जीवन में घटित घटना प्रसंगों को लिपिबद्ध किसने किया?

(घ) जीवन का अर्थ क्या है?

(ङ) जैन विश्व भारती में भिक्षु-भिक्षुणियों को देखा तो मन में कल्पना आई, शायद बुद्ध के भिक्षु भी ऐसे ही होंगे। यह कथन किसने कहे?

(च) न्याय का आधार समानता नहीं है। जिसको जो देय है वही देना, इसका नाम है न्याय। न्याय की यह परिभाषा किसने दी?

(छ) ध्यान का सूत्र क्या है?

(ज) भगवान महावीर की आचार संहिता क्या है?

(झ) 'संबोध प्रकरण' में चैत्यवास की परम्परा का विरोध किसने किया है?

(ञ) जिनभद्रगणी क्षमाश्रमण के अनुसार पुण्य का फल क्या है?

(ट) साम्प्रदायिक सद्भावना के लिए आचार्य तुलसी ने कितने सूत्र प्रस्तुत किए?

(ठ) साधु-साध्वी प्लास्टिक के टुकड़ों को तरास कर किन-किन वस्तुओं का निर्माण करते हैं?

(ड) स्थिरवास शताब्दी समारोह कब व कहाँ मनाया गया?

(ढ) साधु-साध्वियों की शल्य-चिकित्सा का निर्णय कब व कहाँ लिया गया?

(ण) जयाचार्य की रचना शैली क्या थी?

प्र. 2 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 15

(क) आचार्य तुलसी के शासन के पचीस वर्ष पूर्ण होने पर धर्मसंघ ने कौन सा समारोह किस रूप में मनाया?

(ख) आचार्य तुलसी के शासन काल में किन-किन दिग्गज विद्वानों ने विरोध किया?

(ग) साधु जीवन में कला का उपयोग किन-किन उद्देश्यों के साथ स्वीकृत किया गया?

(घ) पुण्य के विषय में अनुचिन्तनीय तथ्य कौन-कौन से हैं?

(ङ) संगठन की स्वस्थता के लिए भिक्षु स्वामी ने क्या व्यवस्था दी? जो आज भी अत्यन्त उपादेय है।

(च) पूजा के कितने व कौन-कौन से प्रकार हैं? नाम लिखें।

(छ) आचार्य भिक्षु के लौकिक दया-दान के सिद्धान्त को आचार्य तुलसी ने दार्शनिक भाषा में किस प्रकार प्रस्तुत किया?

(ज) तेरापंथ में न एकतंत्र है न जनतंत्र किन्तु आत्म तंत्र है। संक्षेप में स्पष्ट करें।

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 12

(क) तेरापंथ में मूर्तिपूजा को अस्वीकार क्यों किया गया?

(ख) सामूहिक मनोबल की कसौटियां क्या-क्या है? लिखें।

(ग) तेरापंथ एक धार्मिक संघ है। चित्रों के माध्यम से जीवन मूल्यों का बोध कराना हमारी चित्रकला का उद्देश्य है। स्पष्ट करें।

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दीजिए– 30

(क) संघ पुरूष की परिकल्पना में जिन नौ अंगों का अधिग्रहण हुआ है। उसका विवेचन करें।

(ख) तेरापंथ के साहित्य सृजन पर प्रकाश डालें।

(ग) आचार्य की कसौटियों का उल्लेख करते हुए तेरापंथ में नेतृत्व पर लेख लिखें।

भिक्षु वाणी–30

प्र. 5 किन्हीं तीन पद्यों की सप्रसंग भावार्थ करें– 15

(क) केई विनीत.....अविनीत।।

(ख) विद्या.....कीधां बीना।।

(ग) हलूकरमी.....टले असमाध।।

(घ) वैराग.....मे कालो।।

(ङ) रांका नै.....उठ्या वेरी।।

प्र. 6 किन्हीं दो पद्यों की पूर्ति करें– 6

(क) गलियार.....पिछतावे।।

(ख) घर में.....गुमांन।।

(ग) पाप.....कोड्यां मोल।।

प्र. 7 कोई तीन विषयों पर पद्य लिखें– 9

(क) साध्वाभास

(ख) क्षणभंगुरता

(ग) संकीर्णता

(घ) शूरवीर

(ङ) कुगुरु।